Roll No. ……..

MAHL–104

साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी समालोचना

M. A. Hindi (MAHL–12/16)

First Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. काव्य-प्रयोजन पर विस्तार से विचार कीजिए।
2. औचित्य सम्प्रदाय की समीक्षा कीजिए।
3. प्लेटो का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसके कला सम्बन्धी दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए।
4. टी. एस. इलियट के काव्य सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अति यथार्थवाद पर एक टिप्पणी लिखिए।
2. संरचनावाद पर प्रकाश डालिए।
3. उत्तर संरचनावाद की समीक्षा कीजिए।
4. समकालीन हिन्दी आलोचना के क्षेत्र में नामवर सिंह के योगदान का उल्लेख कीजिए।
5. प्लेटो के काव्य प्रयोजन पर एक टिप्पणी लिखिए।
6. मैथ्यू आर्नल्ड के काव्य सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।
7. अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।
8. आई. ए. रिचर्ड्स के मूल्य सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्य/असत्य का चयन कीजिए :

1. अलंकार सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य भरतमुनि हैं।
2. औचित्य सम्प्रदाय के प्रतिपादक आचार्य वामन हैं।
3. ध्वनि सम्प्रदाय के प्रवर्तक आनन्दवर्धन हैं।
4. रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य रुद्रट हैं।
5. अनुकरण सिद्धान्त के प्रतिपादक प्लेटो हैं।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक ..... हैं (भरतमुनि, वामन, दण्डी)
7. वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रवर्तक ..... हैं। (वामन, कुन्तक, दण्डी)
8. क्षेमेन्द्र ..... हैं। (रसवादी, रीतिवादी, औचित्यवादी)
9. मूल्य सिद्धान्त के प्रवर्तक ..... हैं।
(प्लेटो, अरस्तू, आई. ए. रिचर्ड्स)
10. अभिव्यंजनावाद के प्रवर्तक ..... हैं। (आर्नल्ड, क्रोचे, अरस्तू)